मांग की आय लोच
(Income Elasticity of Demand)

अन्य तत्वों के समान रहने पर उपभोक्ता की आय में परिवर्तन होने से मांग में परिवर्तन होता है। साधारणतया उपभोक्ता की आय बढ़ने से वस्तु की मांग बढ़ती है और आय घटने से वस्तु की मांग घटती है।

उपभोक्ता की आय के बढ़ने से मांग में किस अनुपात में परिवर्तन आता है, इसको मांग की आय-लोच द्वारा ज्ञात किया जाता है। मांग की आय लोच को e_y द्वारा प्रदर्शित किया जाता है।

आय लोच की माप (Measurement of Income Elasticity)

सूत्र,

$$e_y = \frac{\text{मांग की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन}}{\text{आय में प्रतिशत परिवर्तन}}$$

$$e_y = \frac{\Delta Q}{Q} \div \frac{\Delta Y}{Y}$$

$$= \frac{\Delta Q}{Q} \times \frac{Y}{\Delta Y} = \frac{\Delta Q}{\Delta Y} \times \frac{Y}{Q}$$

जहाँ, Q = प्रारंभिक मांग

ΔQ = मांग की मात्रा में परिवर्तन

Y = उपभोक्ता की आरम्भिक आय

ΔY = आय में परिवर्तन

Scanned with CamScanner

माँग की आय लोच की श्रेणियां
(Degrees of Income Elasticity of Demand)

जिस प्रकार माँग की कीमत लोच की पांच श्रेणियां हैं, उसी प्रकार मांग की आय-सापेक्षता की भी पांच श्रेणियां हैं।

सारणी - आय-लोच की विभिन्न श्रेणियां

क्र०सं०	किसी वस्तु की आय लोच का संख्यात्मक माप	व्याख्या	उदाहरण
1	ऋणात्मक (-)	आय में वृद्धि - वस्तु की मांग में कमी	निकृष्ट वस्तुएँ
2.	शून्य ($e_Y = 0$)	आय में परिवर्तन होने पर भी मांग में कोई परिवर्तन नहीं	अनिवार्य वस्तुएँ
3	शून्य से अधिक लेकिन इकाई से कम ($e_Y = >0<$)	वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन, आय में प्रतिशत परिवर्तन से कम होता है।	चीनी जैसी वस्तुएँ
4.	इकाई के बराबर ($e_Y = 1$)	वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन आय में प्रतिशत परिवर्तन के समान होता है।	कपड़ा
5.	इकाई से अधिक ($e_Y > 1$)	वस्तु की मांग में प्रतिशत परिवर्तन आय में प्रतिशत परिवर्तन की अपेक्षा अधिक होता है	विलासिता की वस्तुएँ

⇒ आय लोच के विभिन्न रूपों को चित्र द्वारा प्रकट किया गया है।

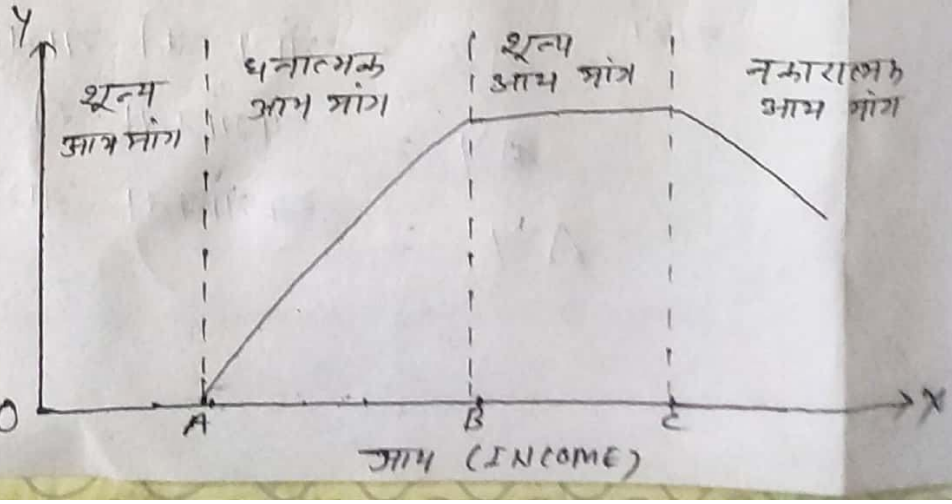

Scanned with CamScanner

मांग की आड़ी (अथवा तिरछी) लोच
(Cross Elasticity of Demand)

मांग की आड़ी लोच किसी वस्तु की कीमत में परिवर्तन होने के फलस्वरूप सम्बन्धित वस्तु की मांग में होने वाले परिवर्तन की माप है।

फर्गुसन के अनुसार, "मांग की आड़ी लोच Y वस्तु की कीमत में होने वाले सापेक्ष परिवर्तन के कारण सम्बन्धित वस्तु X की मांग में होने वाला ~~परिवर्तन~~ आनुपातिक परिवर्तन है।"

$$e_c = \frac{\text{वस्तु X की मांग में आनुपातिक परिवर्तन}}{\text{वस्तु Y की कीमत में आनुपातिक परिवर्तन}}$$

$$= \frac{\Delta X / X}{\Delta P_Y / P_Y}$$

जहाँ ΔX = वस्तु X की मांग में परिवर्तन

X = वस्तु X की आरम्भिक मात्रा

ΔP_Y = वस्तु Y की कीमत में परिवर्तन

P_Y = वस्तु Y की आरम्भिक कीमत

⇒ मांग की आड़ी लोच तीन प्रकार की वस्तुओं के सन्दर्भ में स्पष्ट की जा सकती है -

① स्थानापन्न वस्तुओं की मांग की आड़ी लोच (धनात्मक)

② पूरक वस्तुओं की मांग की लोच (आड़ी) → ऋणात्मक

③ स्वतन्त्र वस्तुओं की मांग की आड़ी लोच → शून्य

Scanned with CamScanner

मॉंग की कीमत-सापेक्षता का महत्व
(Importance of Elasticity of Demand)

मांग की कीमत लोच का विचार अर्थशास्त्र में अपना सैद्धान्तिक महत्व रखता है। अर्थशास्त्र के अनेक सिद्धांतों की व्याख्या में इसका उपयोग है। इसके अतिरिक्त मॉंग की लोच का विचार व्यावहारिक दृष्टि से भी उपयोगी है।

(1). कीमत सिद्धांत में महत्व (Importance in Price Theory)
- (i) कीमत निर्धारण में महत्व
- (ii) एकाधिकारी के लिए मॉंग की कीमत-सापेक्षता का ज्ञान अत्यन्त आवश्यक है,
- (iii) कीमत विभेद में मॉंग कीमत-सापेक्षता का विचार बहुत उपयोगी है।
- (iv) संयुक्त पूर्ति वाली वस्तु का मूल्य निर्धारण

(2). वितरण सिद्धांत में महत्व (Importance in Distribution)

(3) सरकार के लिए महत्व (Importance for the Government)
- (i) करारोपण,
- (ii) कर-भार

(4) अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में महत्व (Importance in foreign Trade)

(5) यातायात में महत्व (Importance in Transport Industry)

Scanned with CamScanner